



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 427] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 24, 1976/आश्विन 2, 1898

No. 427] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 24, 1976/ASVINA 2, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 24th September 1976

S.O. 636(E)/18FB/IDRA/76.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 548(E)/18FB/IDRA/75 dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that—

- (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertaking known as Messrs. Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it immediately before the date of publication of that Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the Central Government is satisfied that the said Order should be extended for a further period of one year;

(1871)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 26th September, 1977.

[No. F.2/29/75-CUC]

A. K. GHOSH, 'Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1976

का० प्रा० 636(प्र)/18 चख/30 बि० बि० अ०/76:—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना नं० का० प्रा० 548 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर ए/75 तारीख 27 सितम्बर, 1975 द्वारा (जिसे इसमें इस पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को धारा 18 चख को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित किया था कि—

(क) उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिनियमितियाँ मैसर्स एन्सीलरो इण्डस्ट्रीज (फॉर्जिंग प्रा० लि०), कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी ; और

(ख) ऐसी सभी प्रवृत्त संविदाओं, समिति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, समझौतों पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू होती हों, का प्रवर्तन और उक्त तारीख से पूर्ण तदधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकारी, विशेषाधिकार, बाध्यतायें और दायित्व 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की, उपधारा (2) के माध्य पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेश की अवधि 26 सितम्बर, 1977 तक बढ़ाती है।

[सं० फा० 2/29/75—सी० यू० सी०]

ए० के० घोष, अपर सचिव ।

सहा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
निबंधक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976